CBSE Class 10 - Hindi B

Sample Paper - 10

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
- एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
- दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
- तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
- पॉच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

Section A

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर सम्बंधित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (10)**
   हमेशा से ही भारत की कलाएँ और हस्तशिल्प इसकी सांस्कृतिक और परंपरागत प्रभावशीलता को अभिव्यक्त करने का माध्यम रही हैं। भारत के विभिन्न प्रदेशों में कला की अपनी एक विशेष शैली और पद्धति है, जिसे लोक कला के नाम से जाना जाता है। लोक कला के अलावा भी परंपरागत कला का एक अन्य रूप है, जो अलग-अलग जनजातियों और देहात के लोगों में प्रचलित है। इसे जनजातीय कला के रूप में वर्गीकृत किया गया है। भारत की लोक और जनजातीय कलाएँ बहुत ही पारंपरिक और साधारण होने पर भी इतनी सजीव और प्रभावशाली हैं कि उनसे देश की समृद्ध विरासत का अनुमान स्वत: ही लग जाता है। अपने परंपरागत सौंदर्य भाव और प्रामाणिकता के कारण भारतीय लोक कला की अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में संभावना बहुत प्रबल है। भारत की ग्रामीण लोक चित्रकारी के डिज़ाइन बहुत सुंदर हैं, जिसमें धार्मिक और आध्यात्मिक चित्रों को उभारा गया है तथापि लोक कला केवल चित्रकारी तक ही सीमित नहीं है, इसके अन्य रूप भी हैं; जैसे--मिट्टी के बर्तन, गृह सज्जा, ज़ेवर, वस्त्र डिजाइन आदि।
   वास्तव में, भारत के कुछ प्रदेशों में बने मिट्टी के बर्तन में अपने विशिष्ट और परंपरागत सौंदर्य के कारण विदेशी पर्यटकों के बीच बहुत ही लोकप्रिय हैं। इसके अलावा, भारत के आँचलिक नृत्य; जैसे-पंजाब का भाँगड़ा, गुजरात का डांडिया, असोम का बिहू करते हैं और यही भारतीय लोक कला के क्षेत्र में प्रमुख दावेदार हैं। भारत सरकार और विभिन्न संस्थाओं ने कला के उन रूपों को बढ़ावा देने का हर संभव प्रयास किया है, जो भारत की सांस्कृतिक पहचान का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है।

   i. लोक कला से क्या अभिप्राय है? (2)

ii. परंपरागत कला के कौन-कौन से रूप हैं? (2)
iii. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय लोक कलाओं की क्या स्थिति हैं? (2)
iv. भारतीय लोक कला में अग्रणी स्थान किसका है? इसकी क्या विशेषता है? (2)
v. 'लोकप्रिय' शब्द का समास विग्रह करते हुए भेद बताइए। (1)
vi. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। (1)

Section B

2. शब्द और वर्ण में अंतर लिखो? **(1)**

3. नीचे लिखें वाक्यों में से किन्हीं तीन वाक्यों का निर्देशानुसार रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण कीजिए- **(3)**

   i. मैंने गौरा को देखा और उसे पालने का निश्चय किया। (सरल वाक्य)
   ii. वह खाना खाकर सो गया। (संयुक्त वाक्य)
   iii. जब सवेरा होता है तब सारा चराचर जाग उठता है। (संयुक्त वाक्य)
   iv. सफेद कमीजवाले छात्र को यह कलम दे दो। (मिश्र वाक्य)

4. i. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पदों का समास -विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए- **(1x2=2)**
   यथामति, आपबीती, वज्रदेह ।
   ii. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** के समास -विग्रह को समस्त पद में परिवर्तित करके समास का नाम लिखिए : **(1x2=2)**
      - आश्चर्य से चकित।
      - षट् आनन हैं जिनके अर्थात् कार्तिकेय।
      - डाल ही डाल में।

5. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए- **(4)**

   i. क्या आप पढ़ लिए हैं?
   ii. आशा है तुम सकुशलपूर्वक होगे।
   iii. कौन मकान सजाए गए थे?
   iv. तुमने वहाँ जाना चाहिए था।
   v. आप वह काम नहीं किए।

6. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित मुहावरों द्वारा कीजिए- **(4)**

   i. दो चारों ने सबकी _____ कीमती हार गायब कर दिया।
   ii. सरकार को चाहिए कि वह आतंकियों का _____ डाले।
   iii. सेना ने पहले ही _____ कि शत्रु आक्रमण करेगा।

iv. एक वृद्ध को सड़क पर भीख मांगते देखकर मेरा _____ गया |

Section C

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये: **(6)**

    i. बड़े भाई साहब ने जिंदगी के अनुभव और किताबी ज्ञान में से किसे और क्यों महत्त्वपूर्ण कहा है?

    ii. क्रोध में तताँरा ने क्या किया? तताँरा-वामीरो की कथा के आधार पर बताइए।

    iii. 'पतझर में टूटी पत्तियाँ' पाठ के आधार पर लिखिए कि चाय पीने के बाद लेखक ने स्वयं में क्या परिवर्तन महसूस किया?

    iv. आशय स्पष्ट कीजिए- "खुला चैलेंज देकर ऐसी सभा पहले नहीं की गई थी।"

8. धरती सबके के लिए समान है, इस कथन को अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। **(5)**

OR

कारतूस पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि जाँबाज़ वज़ीर अली के जीवन का लक्ष्य अंग्रेज़ों को इस देश से बाहर करना था।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये: **(6)**

    i. "सुखिया सब संसार हैं, खावै अरु सोवै .....।" में कबीर ने किस तथ्य पर प्रकाश डाला है?

    ii. भाव स्पष्ट कीजिए- जगतु तपोबन सौ कियौ दीरघ-दाघ निदाघ।

    iii. कंपनी बाग में आने वाले सैलानियों को तोप अपने बारे में क्या बताती प्रतीत होती है?

    iv. 'आत्मत्राण' शीर्षक की सार्थकता कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

10. मनुष्य अपना जीवन किस प्रकार सार्थक कर सकता है? 'मनुष्यता' काव्य के आधार पर लिखिए। **(5)**

OR

कर चले हम फ़िदा कविता की प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए।

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: **(6)**

i. महंत जी ने हरिहर काका को परिवार के प्रति किस प्रकार भड़काया?

ii. हेडमास्टर शर्मा जी ने पीटी साहब को क्यों मुअत्तल कर दिया? सपनों के-से दिन पाठ के आधार पर लिखिए।

Section D

12. **वन एवं वन्य संपदा** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **(6)**

- वन एवं वन्य संपदा क्या है?
- इनका महत्त्व
- वन एवं वन संपदा पर खतरा

OR

लोकतंत्र और चुनाव विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- लोकतंत्र से तात्पर्य
- चुनाव का महत्त्व
- सही प्रतिनिधि के चुनाव से लोकतंत्र की रक्षा

OR

मेरे जीवन का लक्ष्य विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- जीवन में लक्ष्य की आवश्यकता
- आपका लक्ष्य क्या है?
- लक्ष्य क्यों हैं?
- बनकर क्या करेंगे?

13. किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए जिसमें दिल्ली में बढ़ती हुई अपराधवृत्ति की ओर अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराया गया हो। **(5)**

OR

आपके क्षेत्र का डाकिया पत्रों का वितरण बड़ी लापरवाही से करता है। इधर-उधर फेंककर चला जाता है। एक शिकायती पत्र मुख्य डाकपाल को लिखिए।

14. विद्यालय के प्रधानाध्यापक के सेवानिवृत्त होने पर सचिव अमन शर्मा एक विदाई समारोह करना चाहते हैं। विद्यालय कार्यलय के मार्ग दर्शन में विदाई समारोह के विषय में 25-30 शब्दों में सूचना लिखिए। **(5)**

OR

शीतकाल में विद्यालय का समय प्रातः 7:30 की बजाय 8:00 से 2:30 अपराह्न तक कर दिया गया है। शीतकालीन गणवेश भी 1 नवंबर से पहनना अनिवार्य होगा। इस तरह की सूचना सूचना-पट के लिए लिखिए।

15. हमारे देश में आए दिन लोग यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं। इस विषय पर दो मित्रों के बीच होने वाले संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए। **(5)**

OR

यात्री और बस चालक के बीच होने वाले संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

16. तृप्ति बिंदिया के लिए एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए। **(5)**

OR

पर्स विक्रेता हेतु एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए।

CBSE Class 10 - Hindi B
Sample Paper - 10

Answer
Section A

1. i. भारत की कलाएँ और हस्तशिल्प इसकी सांस्कृतिक और परंपरागत प्रभावशीलता को अभिव्यक्त करने का माध्यम रही हैं। यहाँ सभी प्रदेशों में कला की अपनी एक शैली और पद्धति है, जो लोक कला कहलाती है।
   ii. प्रस्तुत गद्यांश के अनुसार, परंपरागत कलाओं को दो भागों-लोक कला और जनजातीय कला में वर्गीकृत किया गया है। लोक कला प्रदेश विशेष से संबंधित होती है, जबकि जनजातीय कला अलग-अलग जनजातियों और देहात के लोगों में प्रचलित होती है।
   iii. भारत की ग्रामीण लोक चित्रकारी के डिजाइन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काफ़ी लोकप्रिय हैं। साथ ही मिट्टी के बर्तन, गृह-सज्जा, जेवर, वस्त्र, डिज़ाइन भी देश की समृद्ध विरासत के महत्त्वपूर्ण हिस्से हैं। अपने इसी परंपरागत सौदर्य-भाव और प्रामाणिकता के कारण ये अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काफी लोकप्रिय हैं और बाज़ार में इनकी संभावना बहुत प्रबल है।
   iv. भारतीय लोक कलाओं में यहाँ के आँचलिक नृत्यों (जैसे-पंजाब का भाँगड़ा, गुजरात का डांडिया, असोम का बिहू) का स्थान अग्रणी है, क्योंकि इनके द्वारा संबंधित प्रदेशों की सांस्कृतिक विरासत को अत्यंत प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त किया जाता है। इनके द्वारा लोग विभिन्न अवसरों पर अपना उल्लास व्यक्त करते हैं।
   v. 'लोकप्रिय' शब्द को समास विग्रह 'लोक में प्रिय है। यह अधिकरण तत्पुरुष समास का भेद है।
   vi. भारत की लोक और जनजातीय कलाएँ

Section B

2. **वर्ण** ध्वनि की सबसे छोटी इकाई वर्ण कहलाती है |
   शब्द एक या एक से अधिक वर्णों से बनी हुई स्वतंत्र तथा सार्थक ध्वनि शब्द कहलाती है ।
   जैसे - क, ल, म, -ये वर्ण हैं जब ये आपस में जुड़ जाते हैं तो कलम इस सार्थक शब्द का निर्माण करते हैं।
3. i. मैंने गौरा को देखकर उसे पालने का निश्चय किया।
   ii. उसने खाना खाया और सो गया।
   iii. सवेरा होता है और सारा चराचर जाग उठता है।
   iv. यह कलम उस छात्र को दे दो जिसने सफ़ेद कमीज पहनी है।
4. i.
   - मति के अनुसार - अव्ययीभाव समास
   - आप पर बीती - तत्पुरुष समास
   - वज्र के समान देह - कर्मधारय समास

   ii.
   - आश्चर्यचकित - तत्पुरुष समास
   - षडानन - बहुव्रीहि समास
   - डाल-डाल - अव्ययीभाव समास

5. i. क्या आपने पढ़ लिया है? या क्या आप पढ़ चुके हैं?
   ii. आशा है कि तुम सकुशल होंगे? या
   आशा है कि तुम कुशलपूर्वक होंगे।
   iii. कौन-से मकान सजाए गए थे?
   iv. तुम्हें वहाँ जाना चाहिए था।
   v. आपने वह काम नहीं किया।
6. i. आँखों में धूल झोंककर
   ii. नामोंनिशान मिटा
   iii. आगाह कर दिया था
   iv. दिल पसीज

Section C

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:
   i. बड़े भाई साहब ने जिंदगी के अनुभव को अधिक महत्त्वपूर्ण माना है। उनके अनुसार, अनुभव से ही मनुष्य को जीवन की सही समझ आती है और वह बिगड़े हुए कामों को भी सही कर लेता है। घर के छोटे-बड़े काम से लेकर घर के बाहर के विशेषज्ञतापूर्ण कार्यों में अनुभव ही काम आता है। उन्होंने अनुभव को महत्त्वपूर्ण बताने के लिए दादाजी, अम्माजी और हेडमास्टर साहब का उदाहरण दिया है।
   ii. तताँरा ने अपनी पूरी ताकत से तलवार को धरती में घोंप दिया। वह पूरी ताकत से उस तलवार को अपनी ओर खींचने लगा। द्वीप के अंतिम छोर तक तलवार को खींचने से एक लकीर खींच गई वहां एक दरार होने लगी जिससे धरती दो टुकड़ों में बँटने लगी। द्वीप दो टुकड़ो में विभक्त हो गया।
   iii. चाय पीने के क्रम में लेखक ने अनुभव किया कि उसके दिमाग की रफ्तार धीमी हो गई है, लगभग बंद-सी ही हो गई है। उसे लगा वह अनंतकाल में जी रहा है, यहाँ तक कि उसे सन्नाटा भी स्पष्ट सुनाई देने लगा। अकसर हम अपने गुज़रे हुए दिनों की खट्टी-मीठी यादों में उलझे रहते हैं या भविष्य के रंगीन सपने देखते रहते हैं। हम या तो भविष्य या भूतकाल में जीते है। जबकि असल में ये दोनों काल ही मिथ्या है। चाय पीते-पीते उसके दिमाग से भूत और भविष्य दोनों काल उड़ गए। केवल वर्तमान क्षण उसके सामने था और वह अनंतकाल जितना विस्तृत था। और जीना किसे कहते हैं, उस दिन मालूम हुआ।
   iv. पुलिस कमिश्नर की नोटिस में चेतावनी दी गई थी कि लोग 26 जनवरी को सभा में सम्मिलित न हों, यह कानून का उल्लंघन माना जाएगा। इसके बावजूद कौसिल की नोटिस के अनुसार कोलकाता वासी हजारों संख्या में आंदोलन में सहभागी हुए। एक प्रकार से वह अंग्रेज शासन को खुली चुनौती देकर आंदोलन कर रहे थे। इस प्रकार का खुला चैलेंज देकर ऐसी सभा पहले कभी नहीं की गई थी।
8. इस सृष्टि के अस्तित्व के प्रश्न का उत्तर विज्ञान और धार्मिक ग्रंथ दोनों अपने अनुसार देते हैं, किन्तु दोनों के ही अनुसार धरती सब के लिए एक समान है | चाहे वे मानव, पंछी, पशु हों अथवा पेड़, नदी, समुद्र आदि | लेकिन मानव ने अपनी बुद्धि के बल पर अपनेआप को सर्वोपरि मानकर इन सबके बीच बड़ी-बड़ी दीवारों को खड़ा कर दिया है | धरती सबके लिए

समान है। पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था, लेकिन अब अलग-अलग टुकड़ों में बँटकर एक दूसरे से दूर होकर अपने आप को छोटे दायरों में सीमित कर लिया है | बढ़ती आबादी के कारण समुद्र भी सरकने लगा है व पेड़ कटते जा रहे हैं। फैलते प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया है। बारूद की विनाशलीला, गरमी में ज्यादा गरमी, बेवक्त की बरसातें, बाढ़, आँधी, तूफ़ान, नए-नए रोग प्रकृति का संतुलन बिगड़ने का ही परिणाम हैं। प्रकृति के गुस्से का नमूना कुछ वर्ष पहले समुद्र में आए तूफ़ान से भी लगाया जा सकता है।

OR

"कारतूस' पाठ का उद्देश्य जाँबाज़ वजीर अली की वीरता एवं साहस को सबके सामने लाना है। वज़ीर अली के जीवन का लक्ष्य ही अंग्रेजों को देश से बाहर करने का बन गया था । वस्तुतः जाँबाज़ वज़ीर अली समय के साथ-साथ इस तथ्य से परिचित हो गया कि ब्रिटिश शासन किसी भी दृष्टि से भारत एवं भारतवासियों के लिए लाभप्रद नहीं है। वह अपनी पाँच महीने की हुकूमत में ही अवध के दरबार को अंग्रेज़ी प्रभाव से बिलकुल पाक कर देने में तकरीबन कामयाब हो गया था। वह अफ़गानिस्तान के बादशाह शाहे -ज़मा को हिंदुस्तान में ब्रिटिश शासकों पर आक्रमण करने का निमंत्रण देता है। वह अंग्रेज़ी हुकूमत के खिलाफ़ लगातार संघर्ष करता है। उसने कंपनी के वकील का भी कत्ल कर दिया। उसकी योजना यही थी कि वह अपनी शक्ति बढ़ाकर अंग्रेज़ों को भारत से निकाल बाहर करे। इसके लिए वह अलग-अलग राजाओं से मिलकर प्रयास कर रहा था। उसने अपनी वीरता या जाँबाज़ी से अंग्रेज़ों के मन में एक खौफ पैदा कर दिया था।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:
    i. कबीर ने प्रस्तुत पद में बताया है कि अज्ञानी मनुष्य सांसारिक सुख साधनों के भोग में ही सुख मानता है। ऐसे लोगों की ईश्वर के प्रति आसक्ति नहीं है, लेकिन कबीर संसार की इस अज्ञानता को देख कर चिंतित है और रोते हैं।
    ii. साँप एवं मोर तथा हीरण एवं बाघ एक-दूसरे के स्वभावगत शत्रु हैं, किंतु जेठ महीने की प्रचंड गर्मी से परेशान होकर तपोवन में की शीतलता में अपना शत्रुतत्व भूलकर एक दूसरे के साथ बैठे हैं ।
    इस प्रचंड गर्मी में जंगल का हिंसक वातावरण तपोवन के समान शांत एवं पवित्र बन गया है। बिहारी ने इस पद में गर्मी में प्राणियों की एकता को दर्शाकर मनुष्यों को शिक्षा दी है कि हमें भी विपत्ति काल में आपसी शत्रुता को भूलकर एक-दूसरे का साथ रहना चाहिए।
    iii. कंपनी बाग में अब न तोप का आतंक है और न अंग्रेजों का। वह लोग सुबह-शाम घूमने के लिए आते हैं। पर्यटन के लिए आने वालों को तोप अपने बारे में यह बताती है कि कभी वह (तोप) बहुत शक्तिशाली थी। उसने उस समय अच्छे-अच्छे वीरों को मौत की नींद सुला दी थी। उस समय लोगों के मन में इसका खौफ़ था। वे तोप के पास आने से बचते थे।
    iv. 'आत्मत्राण' का अर्थ है-अपने आंतरिक भय से बाहर आना अर्थात् स्वयं अपनी सुरक्षा करना। कवि विपदाओं, दुःखों तथा पीड़ा से मुक्ति के लिए ईश्वर का आह्वान नहीं करता। वह अपने आंतरिक भय से छुटकारा पाने की कोशिश करता है। कवि उसी भय के निवारण की प्रार्थना ईश्वर से करता है। कवि का यही भाव शीर्षक 'आत्मत्राण' से झलकता है। कवि ईश्वर से 'त्राण' के बदले 'तैरने' की क्षमता चाहता है। वह अपने अंदर साहस, निर्भयता तथा संघर्षशीलता की कामना करता है। कवि का मानना है कि इन गुणों के माध्यम से वह विपदाओं पर

विजय प्राप्त कर सकता है।

10. मनुष्य को मानव योनि में जन्म लेने का सौभाग्य अनेक योनियों में जन्म लेने के बाद ही प्राप्त होता है। इसलिए हमें अपने इस मानव जीवन को सार्थक बनाना चाहिए, जिससे अपनी मृत्यु के उपरांत भी हम अमर हो जाएँ और हमारे महान् कार्यों के कारण सब हमारा स्मरण करें। हमें सदैव लोक मंगलकारी, सर्वजन हितार्थ और परोपकारी कार्यों को करना चाहिए। मनुष्य को असहायों और बेसहारों का सहायक बनना चाहिए। निराश्रितों को आश्रय प्रदान करना और पीड़ित की पीड़ा दूर करने के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहना चाहिए। परोपकार ही मनुष्य को महान् बनाता है, इसलिए उदारता व परोपकार को अपना ध्येय बनाकर जीवन-पथ पर आगे बढ़ना चाहिए, तभी मानव जीवन सार्थक हो सकता है।

OR

'कर चले हम फ़िदा' कविता में 1962 में चीन के साथ हुए युद्ध का मर्मस्पर्शी वर्णन है। यह कविता एक ओर भारतीयों के साहस तथा वीरता का उत्कृष्ट नमूना प्रस्तुत करती है, साथ ही उनके त्याग एवं बलिदान की अनुपम गाथा भी दोहराती है। यह कविता अपने रचना काल में जितनी प्रासंगिक थी उससे कहीं अधिक आज प्रासंगिक है। आज देश में पड़ोसी देश से जब घुसपैठ का खतरा बढ़ा है, जयचंदों की संख्या बढ़ी है तथा लोग भाषा, जाति, क्षेत्र, धर्म आदि के नाम पर अपनी डफली अपना राग अलाप रहे हों, तब इस कविता की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। यह कविता वीरों का उत्साह बढ़ाने और युवाओं में राष्ट्रभक्ति प्रगाढ़ करने के लिए अधिक प्रासंगिक है।

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

    i. महंत जी ने हरिहर काका को एकांत कमरे में बैठाकर खूब प्रेम से समझाते हुए कहा कि यहाँ कोई किसी का नहीं है। सब माया का बंधन है। तुम धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति हो इस बंधन में किस प्रकार फैंस गए। ईश्वर की भक्ति में मन लगाओ, क्योंकि उसके सिवाय तुम्हारा कोई और नहीं है। पत्नी, बेटा, भाई-बंधु सबके-सब स्वार्थ के साथी हैं।

    जिस दिन उन्हें यह लगेगा कि तुमसे उनका स्वार्थ सधने वाला नहीं है, उस दिन वे तुम्हें पूछेगे तक नहीं। इसीलिए ज्ञानी संत, महात्मा, ईश्वर के सिवाय किसी और से प्रेम नहीं करते। तुम्हारे हिस्से में पंद्रह बीघे ज़मीन है। इसी कारण तुम्हारे भाई के परिवार के लोग तुम्हें पूछते हैं। यदि तुम एक दिन उनसे कह दोगे कि तुमने अपनी जायदाद किसी दूसरे को दे दी है, तो वह तुमसे बोलना बंद कर देंगे। तुम्हारे बीच जो खून का रिश्ता है वह भी खत्म हो जाएगा। तुम्हारे भले के। लिए मैं यह बात तुमसे पहले ही कहना चाहता था, परंतु संकोचवश कह नहीं पाया।

    ii. हेडमास्टर शर्मा जी ने पी टी साहब को मुअत्तल कर दिया क्योंकि उन्हें पी टी साहब का बच्चों के प्रति इतना कठोर और सख्त व्यवहार पूर्ण रूप से अनुचित लगता था। पी टी शिक्षक प्रीतमचंद अत्यंत अनुशासनप्रिय थे। वे बच्चों को छोटी गलती पे भी कठोर दण्ड देते थे। एक दिन हेडमास्टर साहब पी टी शिक्षक को चौथी कक्षा के बच्चों को शब्द - रूप याद नहीं करने के लिए मुर्गा बनने की सजा देते देख लिया। उनमें बहुत से बच्चे गिर भी गए थे। उन्हें बच्चों को ऐसे दंडित करना अनुचित लगा। शर्मा जी बच्चों के प्रति बहुत स्नेहपूर्ण थे , तो वे बच्चों के लिए ऐसे दण्ड देख कर शांत नहीं रह पाए ।

    इन्हीं कारणों से हेडमास्टर शर्मा जी ने शिक्षा विभाग के निदेशक को शिकायत लिख कर पी0 टी0 शिक्षक प्रीतम

चंद को मुअतल करा दिया |

Section D

12. **वन एवं वन्य संपदा**

सामान्यतः एक ऐसा विस्तृत भू-भाग जो पेड़-पौधों से आच्छादित हो, 'वन' कहलाता है। वन मनुष्य के लिए प्रकृति का सबसे बड़ा वरदान है। वनों से हमें अनेक लाभ होते हैं। इन से हमें प्राणवायु ऑक्सीजन मिलती है, जो हमारे जीवन का आधार है। इसके अतिरिक्त, वनों से हमें फ़र्नीचर के लिए लकड़ी, फल-फूल, जड़ी-बूटियाँ, औषधियाँ आदि वस्तुएँ प्राप्त होती हैं। वन मृदा अपरदन रोकने व वर्षा करवाने में भी सहायक होते हैं।
वनों का एक लाभ और भी है। इनके कारण ही वन्य-जीवन फलता-फूलता है। वन्य का अर्थ है-वन में उत्पन्न होने वाला। इस प्रकार वन्य-जीवन का तात्पर्य उन जीवों से है जो वन में पैदा होते हैं और वन ही उनका आवास-स्थल बनता है। एक अनुमान के अनुसार, भारत में लगभग 75000 प्रकार की जीव-प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें से अधिकांश वनों में पाई जाती हैं। इनमें सिंह, चीता, लोमड़ी, गीदड़, लकड़बग्घा, हिरण, जिराफ, नीलगाय, साँप, मगरमच्छ आदि प्रमुख हैं। यदि वन न हों तो इन सभी जीवों का अस्तित्व ही मिट जाएगा, जबकि मनुष्य के साथ इन जीवों का सह-अस्तित्व आवश्यक है क्योंकि इससे प्रकृति में संतुलन बना रहता है। हालाँकि पिछले कुछ समय से वन एवं वन्य संपदा पर खतरा मँडरा रहा है। वनों से ढके हुए क्षेत्रों में कमी हो रही है, जिससे वन्य-जीवन भी विलुप्त होता जा रहा है। राष्ट्रीय वन नीति के अनुसार, देश के 33% भू-भाग पर वन होने चाहिए, परंतु इस नीति पर ठीक से अमल नहीं किया जा रहा है। प्रशासन तंत्र को शीघ्र ही इस विषय का संज्ञान लेना चाहिए और वन एवं वन्य संपदा के संरक्षण हेतु उचित कदम उठाने चाहिए।

OR

'लोकतंत्र से तात्पर्य' जनता के तंत्र' यानी जनता के शासन से है। लोकतंत्र एक ऐसी शासन प्रणाली है, जिसमें अप्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष रूप से जनता शासन करती है। जब जनता अप्रत्यक्ष रूप से शासन करती है, तो वह चुनाव के माध्यम से अपना प्रतिनिधि चुनती है, जो जनता के नाम पर जनता के लिए शासन करता है। एक निश्चित अंतराल पर चुनाव का निरंतर संपन्न होना आवश्यक है ताकि जनता अपने प्रतिनिधि के कार्यों का समय-समय पर मूल्यांकन कर सके। चूंकि जनता के प्रतिनिधि ही सामान्यतया शासन करते हैं। अतः उन्हें निरंकुश बनने से रोकने के लिए समय-समय पर चुनाव होने आवश्यक हैं। जनता सही प्रतिनिधि का चुनाव करके लोकतंत्र का निर्माण एवं रक्षा करती है। लोकतंत्र में वास्तविक संप्रभुता लोगों यानी जनता के पास ही होती है। अतः जनसामान्य के लिए आवश्यक है कि वह निष्पक्ष होकर लोकतंत्र की कसौटी पर खरा उतरने वाले लोगों का ही अपने प्रतिनिधि के रूप में चयन करें, जो न केवल बेहतर शासन-प्रबंध करने में सक्षम हों, बल्कि लोकतंत्र को सुदृढ़ करने में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान भी दें, क्योंकि सही प्रतिनिधि के चुनाव से ही लोकतंत्र की रक्षा संभव है।

OR

मेरे जीवन का लक्ष्य

जीवन में निश्चित सफलता के लिए एक निश्चित लक्ष्य को होना भी अत्यंत आवश्यक है। जिस तरह निश्चित गंतव्य तय किए बिना, चलते रहने का कोई अर्थ नहीं रह जाता, उसी तरह लक्ष्य विहीन जीवन भी निरर्थक होता है।
एक व्यक्ति को अपनी योग्यता एवं रुचि के अनुरूप अपने लक्ष्य का चयन करना चाहिए। जहाँ तक मेरे जीवन के लक्ष्य की बात है, तो मुझे बचपन से ही पढ़ने-लिखने का शौक रहा है, इसलिए मैं एक शिक्षक बनना चाहता हूँ। शिक्षा मनुष्य के व्यक्तित्व का विकास करती है और इस प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण होती है।
मैं शिक्षक बनकर समाज हित में ग्रामीण क्षेत्र में नियुक्ति प्राप्त करना चाहूँगा, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छे एवं समर्पित शिक्षकों का अभाव है। एक आदर्श शिक्षक के रूप में मैं धार्मिक कट्टरता, प्राइवेट ट्यूशन, नशाखोरी आदि से बचाने हेतु सभी छात्रों का उचित मार्गदर्शन करूँगा। मैं सही समय पर विद्यालय जाऊँगा और अपना कार्य पूर्ण ईमानदारी से करूँगा। शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए सहायक सामग्रियों का भरपूर प्रयोग करूँगा, साथ ही छात्रों को हमेशा अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित करूँगा। छात्रों पर नियंत्रण रखने के लिए शैक्षणिक मनोविज्ञान का अच्छा ज्ञान प्राप्त करूँगा। मुझे आज के समाज की आवश्यकताओं का ज्ञान है, इसलिए मैं इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु छात्रों को उनके नैतिक कर्तव्यों का ज्ञान कराऊँगा। अतः मेरे जीवन का लक्ष्य होगा आदर्श शिक्षक बनकर समाज की सेवा करना तथा देश के विकास में योगदान देना।

13. परीक्षा भवन,
दिल्ली।
दिनांक 13 मार्च, 2019 सेवा में,
श्रीमान संपादक महोदय,
हिंदुस्तान टाइम्स,
नई दिल्ली।
विषय दिल्ली में बढ़ती हुई अपराधवृत्ति से संबंधित।
महोदय, मैं आपके प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के माध्यम से दिल्ली सरकार के अधिकारियों का ध्यान दिल्ली में बढ़ती हुई अपराधवृत्ति की ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ। आशा है कि आप मेरे पत्र को अपने लोकप्रिय समाचार-पत्र में प्रकाशित करेंगे। अत्यंत खेद के साथ मुझे लिखना पड़ रहा है कि दिल्ली में | आजकल गुंडागर्दी, बलात्कार, हत्याएँ, लूटपाट, अपहरण जैसी आपराधिक घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं। देश की | राजधानी दिल्ली 'अमन चैन की राजधानी' न रहकर | असामाजिक तत्वों व अपराधियों द्वारा निर्मित 'भय आतंक के वातावरण की राजधानी' बनकर रह गई है। दिन-दहाड़े दुकानदारों से लूट, घरों में चोरी, छोटे बच्चों का अपहरण, लड़कियों से छेड़छाड़ व बलात्कार तो जैसे आम बात हो गई है। सुबह-सुबह समाचार-पत्र देखने पर ऐसा लगता है जैसे दिल्ली में पुलिस का नहीं, बल्कि अपराधियों का नियंत्रण है। अतः केंद्र सरकार तथा पुलिस के अधिकारियों से मेरा अनुरोध है कि वे इस संबंध में कठोरतम कार्यवाही करें, जिससे अपराधियों | के मन में कानून के प्रति भय उत्पन्न हो और वे अपराध करने से पहले दस बार सोचें। अपराधियों पर नियंत्रण रखा जाना अत्यंत आवश्यक है।
सधन्यवाद।
भवदीय
हर्षित

OR

प्रति,

मुख्य डाकपाल,

मुख्य डाकघर,

दिल्ली।

विषय- पश्चिम विहार-IV क्षेत्र वितरण में हो रही लापरवाही की शिकायत।

महोदय,

नम्र निवेदन यह है कि पश्चिम विहार क्षेत्र का डाकिया श्रवण कुमार डाक वितरण में बहुत लापरवाही करता है। वह नाम और पता देखे बिना पत्र दरवाजे पर फेंक कर चला जाता है। परिणामस्वरूप, दूसरों के पत्र हमारे यहाँ आते हैं और हमारे पत्र दूसरे लोग देकर जाते हैं।

यह डाकिया डाक देने में देरी भी करता है। बिजली व टेलीफोन के बिल नियत तारीख निकल जाने के बाद मिलते हैं। उसकी लापरवाही का खामियाजा हमें भुगतना पड़ता है तथा मानसिक परेशानी व आर्थिक नुकसान उठाने पड़ते हैं।

यह डाकिया कीमती तोहफों को गायब भी कर देता है। आपसे निवेदन है कि आप इस कर्मचारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करें।

भवदीय

हस्ताक्षर . . . . . .

(डॉ. मोहित राजपूत)

206, पश्चिम विहार-V

नई, दिल्ली।

14.

सूचना

25 मार्च, 2019

हम बारहवीं कक्षा के छात्र विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री बसंत पाण्डेजी के सेवानिवृत्त होने पर एक विदाई समारोह 30 मार्च को आयोजित करने जा रहे हैं, संपूर्ण कार्यक्रम निर्धारित कर लिया गया है। कार्यालय से भी स्वीकृत ले ली गई। अतः विद्यालय की बारहवीं कक्षा के सभी छात्रों से अनुरोध है कि निर्धारित दिवस को अधिक-से-अधिक संख्या में पहुँचकर इस विदाई समारोह का हिस्सा बनें और उन्हें भावभीनी विदाई दें। अमन शर्मा (सचिव)

बारहवीं

OR

मैक्सफोर्ट इंटरनेशनल स्कूल, पश्चिम विहार, नई दिल्ली

सूचना

दिनांक 25 अक्टूबर, 20XX

शीतकाल में विद्यालय की समयावधि एवं गणवेश में परिवर्तन से संबंधित

सभी अध्यापकों/अध्यापिकाओं और विद्यार्थियों को यह सूचित किया जाता है कि 1 नवंबर, 20XX से विद्यालय में शीतकालीन समय-सारणी का पालन किया जाएगा, जिसके अंतर्गत विद्यालय की समयावधि 7:30 पूर्वाह्न से 2:00 अपराह्न की बजाय 8:00 पूर्वाह्न से 2:30 अपराह्न होगी। साथ ही, सभी विद्यार्थियों के लिए 1 नवंबर, 20XX से शीतकालीन गणवेश पहनना भी अनिवार्य होगा।

अनिल सिंह कश्यप

प्रधानाचार्य

15. **संदीप -** विपिन! एक बात से मेरा मन बहुत दु:खी हो गया।

विपिन - दोस्त! किस बात से तुम दु:खी हो गए?

संदीप - कल मैंने जगह-जगह पर लोगों को ट्रैफ़िक नियमों का उल्लंघन करते हुए देखा।

विपिन - यह कौन-सी नई बात है? यह सब तो चलता रहता है।

संदीप - यही सोच तो बदलनी है। नियमों का उल्लंघन करके, हमें अपने साथ-साथ दूसरे लोगों के जीवन को भी संकट में डालने का कोई हक नहीं है।

विपिन - वास्तव में, अपने देशवासियों की सोच बदलना, उनसे नियमों का पालन करवाना बहुत मुश्किल है, किंतु असंभव नहीं है। हमें लोगों को जागरूक करना होगा।

संदीप - तुम ठीक कहते हो। इसके लिए हमें कुछ और लोगों को भी साथ लेकर एक संगठन बनाना होगा।

OR

यात्री - भाई। बस कितने बजे चलेगी?

चालक - साढ़े पाँच बजे।

यात्री - लेकिन साढ़े पाँच तो हो गए हैं, फिर देरी क्यों?

चालक - बस चलने ही वाली है।

यात्री - आजकल बसों के चलने का कोई समय नहीं है। आपकी इच्छा से चलती है।

चालक - आप बिना वजह ही मुझसे बहस कर रहे हैं। हमारी बसों का समय है और हम उसी के अनुसार चलते हैं।

16.

"सुहागनों का करे श्रृंगार,
दमकते चेहरे पर लाए निखार।
रंग-बिरंगी, चमकती-दमकती,
बिंदिया बढ़ाए आपस में प्यार।"

तृप्ति बिंदिया

कम कीमत में उपलब्ध

OR

जल्दी कीजिए सेल! सेल! सेल!

"मज़बूती में इसका नहीं जवाब,

सामान की करे सुरक्षा बेहिसाब,

इसकी सुंदरता है लाजवाब

(50% तक की छूट)

मोनिका पर्स स्टोर